एक नजर में

विधायक हनी बघेल का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

कुक्षी। क्षेत्र के विधायक और पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह हनी% बघेल का जन्मदिन मंगलवार को उनके पैतृक गांव तलावड़ी में उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में न केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ा, बल्कि हजारों की संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुँचकर विधायक के प्रति स्नेह व्यक्त किया। पुष्पहारों से स्वागत और केक काटकर बांटी खुशियां-सुबह से ही तलावड़ी में उत्सव सा माहौल रहा। उमंग से लबरेज लोगों ने विधायक बघेल का पुष्पहारों से आत्मीय अभिनंदन किया और केक काटकर उनके दीर्घायु होने की कामना की। जनता के इस अपार प्रेम को देख विधायक भावुक नजर आए। उन्होंने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा की क्षेत्र का विकास और आप सभी के सुख-दुख में ख?ा रहना ही मेरे जीवन का मुख्य लक्ष्य है। **भगोरिया सा नजर आया नजारा, 450 दलों ने दी प्रस्तुति**-समारोह का मुख्य आकर्षण क्षेत्र के पारंपरिक मांदल दलों की शानदार प्रस्तुतियां रहीं। सैकड़ों ढोल-मांदल की थाप ने पूरे माहौल को %भगोरिया मय% बना दिया। इस अवसर पर आयोजित ढोल मांदल प्रतियोगिता में लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस मौके पर आयोजित ?ोल मांदल प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 35 हजार रुपए, द्वितीय को 25 हजार तृतीय 15 हजार ओर चतुर्थ को 5500 रुपए नगदी प्रदान कर पुरस्कृत किया.वही समारोह में 450 ढोल मांदल दल शामिल हुए जिसमें प्रत्येक ग्रुप को 3500 रुपए की प्रोत्साहन राशि नगद भेंट की गई।

आखिरत को सुधारना है तो अपने नेक आमाल को मुकम्मल करना होगा

नागदा (धार)। आखिरत को सुधारना है तो अपने नेक आमाल को मुकम्मल करना होगा। रमजान में की गई इबादत दुसरे सभी महीनों से आला व अफजल है। हम अपने नबी की सुन्नतों पर अमल करें। रोजा रब के लिए है इसका एहतराम करना हर मोमीन के लिए बहुत जरूरी है। उक्त बातें रमजान की अजीमों शान व इबादत वाली रात शबेकद्र पर जामा मस्जिद नागदा पर इमाम हाफीज जाकीर हुसैन बरकाती ने तकरीर करते हुए कही। मुस्लिमजन द्वारा अपने रब की बंदगी में पुरी रात इबादत कर कुरआन की तिलावत, नवाफिल नमाज व अपने गुनाहों की माफी तलब की। इमाम हाफीज जाकीर हुसैन बरकाती, हाफीज मुस्तकीम खान व आखिरी अशरे में एतकाफ पर बैठ इबादत कर रहे असलम मंसुरी का मुस्लिम समाज कमेटी सदर हमीद मंसुरी, सरपरस्त अब्दुल खालिक कुरैशी, खजांची शहजाद मंसुरी व समाजजनों द्वारा गुलपोशी व नजराना पेश कर इस्तकबाल किया। जामा मस्जिद पर फातेहाखानी कर देश में अमन व चेन की दुआ कर रब से गुनाहों की माफी तलब की। माहे रमजान में जामा मस्जिद को आकर्षक रौशनी से सजाया गया। शबेकद्र पर रब की बंदगी में बड़ो के साथ बच्चों ने भी रात भर इबादत की। मुस्लिमजन पवित्र माह रमजान में रोजे रख पूरे माह अपने रब की बंदगी कर ईबादत करते है। जिसमें रात्री में तराबीह की विशेष नमाज अदा की जाती है।

भक्ति-भाव के साथ नवरात्रि पर्व की शुरूआत कल से

महू. 19 मार्च से गुड़ी पड़वा नवरात्रि की शुरुआत होने जा रही है. इन दिनों जहां मंदिरों में पूजा पाठ के आयोजन होंगे, वहीं घर-घर पर माता रानी की पूजा की जाएगी. श्री महाकाल पंशांग उज्जैन, विश्व पशांगम् काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रकाशित, काशी महावीर पशांगम् एवं अन्य ज्योतिषीय ग्रन्थों के आधार पर पूजन, पाठ, तप, जप, संकल्पादि में वर्ष पर्यन्त रौद्र नामक संवत्सर ही कहा जाएगा. रौद्र नामक संवत्सर के राजा-गुरु, मन्त्री-मंगल, मेघेश-चन्द्र होंगे. संवत्सर का फल- वर्षा मध्यम होगी, विश्वभर के राजाओं में क्षोभ होगा, आम जनता में पीड़ा होगी, सोने-चांदी महंगे होंगे, फसलों पर कीड़ों का प्रकोप होगा, सुदूर क्षेत्रों में भूकंप, वायुयान दुर्घटना, वर्ष के अन्त में शान्ति होने लगेगी. सुदूर प्रदेशों में फसलें अच्छी होंगी, देश की सैन्य शक्ति बढ़ेगी, कहीं-कहीं अतिवृष्टि होगी. पं. कपिल शर्मा काशी महाराज ने बताया कि चैत्र नवरात्र प्रारंभ घटस्थापना मुहूर्त 19 मार्च 2026 शुभ मुहूर्त सुबह 6.57 बजे से 8.04 बजे तक, अभिजित मुहूर्त दोप. 12.11 बजे से 12.59 बजे तक, लाभ मुहूर्त दोप. 12.35 बजे से 2.05 बजे तक, अमृत मुहूर्त दोप. 2.05 बजे से 3.36 बजे तक माता का आगमन. इस वर्ष माता का आगमन डोली पर व प्रस्थान हाथी पर हो रहा है. डोली पर आने से भय एवं कष्ट में वृद्धि होती है, वहीं हाथी पर जाने से सुख, समृद्धि, शांति बढ़ती है. नवरात्रि में शक्ति उपासना के लिये किये जाने वाले दैवीय अनुष्ठान- दुर्गा सप्तशति, श्री सूक्त पाठ, रामचरित मानस के पाठ अपने क्षेत्र के विद्वान ब्राम्हणों द्वारा करवाएं. अपनी गुरु परम्परा, कुल परम्परा के अनुसार पूजन, पाठ, होम, जाप इत्यादि करें. कन्या भोजन कराएं. अपने गुरुमन्त्र, इष्टमन्त्र का जाप करें. सात्विक भाव से देवी का पूजन करें, लाल चंदन, कनेर पुष्प, गुलाब पुष्प, बिल्व पत्र से पूजन करें. नवरात्रि पर मां को प्रसन्न करने व कामनाओं की पूर्ति के लिये नौ दिन मां जगदम्बा को प्रतिपदा को गोघृत, द्वितीया को शक्कर, तृतीया को गाय का दूध, चतुर्थी को मालपुआ, पश्चमी को केला, षष्ठी को शहद, सप्तमी को गुड़, अष्टमी को नारियल, नवमी को धान का लावा का भोग लगाएं.

हम फाउंडेशन ने महिलाओं को दिया नारी शक्ति सम्मान

महू. हम फाउंडेशन संस्कृति शाखा के तत्वावधान में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कर्ष एवं विशिष्ट कार्य करने वाली 7 महिलाओं को शिक्षक सदन उत्कर्ष विद्यालय में नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया. एडवोकेट गीता लखवानी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हेमलता पाटीदार ने की. विशेष अतिथि कौशलेंद्र प्रताप सिंह थे. फाउंडेशन की जिला अध्यक्ष वीणा दीक्षित एवं शाखा अध्यक्ष कांता मजदे भी मंचासीन रहीं. जिन महिलाओं को सम्मानित किया गया, उनमें डॉ. ममता शुक्ला, योगाचार्य डॉ. राजकुमारी चौरसिया, अर्चना जोशी, महू थाने की उप निरीक्षक नयजा रावत, आशा परमार, ज्ञानी बाई शामिल हैं. इस अवसर पर हम फाउंडेशन संस्कृति शाखा की वीणा दीक्षित, कांता मजदे, डॉ. लक्ष्मी दुबे, मिनी आनंद, पायल परदेशी, अंजली श्रीवास्तव, कृष्णा सागर, पूजा बोरासी, आजरा अहमद, नीलू कौशल, रागनी, सुलेखा सिंह और रेवा अधिकारी को भी सम्मानित किया गया. अतिथि परिचय पायल परदेशी ने दिया. इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सक्सेना को भोपाल में राधारमण कॉलेज का डायरेक्टर नियुक्त होने पर सम्मानित किया गया. संचालन कमलकांत भलेवड़ीकर एवं पायल परदेशी ने किया. आभार कांता मजदे ने माना. इस अवसर पर अनेक पत्रकार एवं गणमान्यजन उपस्थित थे.

स्कूल बस बनी मौत का पहिया! 13 साल के मासूम को 15 फीट तक घसीटा, हालत नाजुक

- ड्राइवर ने नहीं दिखाई इंसानियत – हादसे के बाद भी नहीं उतरा बस से, कॉलोनी में फूटा गुस्सा

धामनोद ।नगर में एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही ने मासूम की जिंदगी को खतरे में डाल दिया। पुलिस थाना परिसर के पीछे स्थित ब्रजधाम कॉलोनी में मंगलवार को मां नर्मदा कॉलेज की स्कूल बस ने साइकिल चला रहे 13 वर्षीय हर्षदीप पिता दिनेश ठाकुर को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस क्रमांक स्क्11 क्0319 का चालक तेज रफ्तार में कॉलोनी में घुसा और साइकिल सवार दो बच्चों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हर्षदीप को बस करीब 15 फीट तक घसीटते हुए ले गई। हादसे के बाद भी

ड्राइवर बस से नीचे नहीं उतरा और न ही बच्चों की मदद की।

मानवता शर्मसार- मजदूर ने बचाई जान-घटना स्थल के पास एक मकान में पेंट का काम कर रहे व्यक्ति ने अपना काम छोड़कर दौड़ लगाई,

घायल बच्चे को उठाया और बस के नीचे फंसी साइकिल को बाहर निकाला। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई।

टायर चढ़ा पैर पर, हालत गंभीर-बताया जा रहा है कि बस का

अगला टायर बच्चे के पैर पर चढ़ गया, जिससे उसे गंभीर चोट आई। परिजन तत्काल उसे धामनोद के शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रेफर कर दिया गया।

पहले भी कर चुकी है हादसा, फिर क्यों नहीं जागा प्रबंधन

स्थानीय लोगों का कहना है कि मां नर्मदा कॉलेज की बसों की तेज रफ्तार को लेकर पहले भी कई शिकायतें की जा चुकी हैं। कुछ समय पहले महेश्वर रोड पर इसी कॉलेज की बस पेड़ से टकरा चुकी है, जिसमें बच्चे भी सवार थे। इसके बावजूद कॉलेज प्रबंधन ने न तो ड्राइवरों पर लगाम लगाई और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए।क्या बड़े हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन लगातार शिकायतों और हादसों के बाद भी अगर कार्रवाई नहीं होती, तो सवाल उठता है –क्या प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं?कॉलोनीवासियों में भारी आक्रोश है और उन्होंने दोषी ड्राइवर व स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भूतड़ी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

- नर्मदा स्नान से भूत-प्रेत से छुटकारा और मोक्ष प्राप्ति का महत्व

बाग। हिंदू धर्म में पूर्णिमा और अमावस्या का दिन काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इन दोनों ही दिन स्नना -दान का खास महत्व होता है। हिंदू धर्म में चैत्र महीने को धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण माना गया है। इस महीने में पड़ने वाली अमावस्या भी खास होती है। चैत्र माह में पड़ने वाली अमावस्या को भूतड़ी अमावस्या के नाम से जाना जाता है।अनेको श्रंद्धालु ने आस्था की लगाई डुबकी।

श्रद्धालुओं अशोक बोडाना की मान्यता है कि शरीर में लगी बुरी आत्माओं को भगाने के लिए पुराणों मे यह एक दिन तय किया गया है, इसीलिए नर्मदा घाट कोटेश्वर तीर्थ पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की लगाई डुबकी। माना जाता है कि इस दिन नर्मदा में दुबकी लगाने से प्रेत आभाओं से छुटकारा मिलता है। वहीं, मोक्ष की प्राप्ति और गरीब, ब्राह्मणों और जरूरदमंदों को दान करने से कई गुना फल की प्राप्त होता है। अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण, व्रत और पूजा का भी विधान है। वहीं आपको बता दें कि चैत्र महीना हिंदू कैलेंडर या पंचांग का अंतिम महीना होता है। धार जिले के कुक्षी तहसील में भूत?ी अमावस्या मनाई गई। क्षेत्र के नर्मदा तट मेघनाथ घाट व कोटेश्वर तीर्थ में वे लोग भी नर्मदा नदी में स्नान करने आते हैं, जिनके शरीर में देवी का वास हो या फिर किसी प्रेतात्मा का साया हो। इसे दूर करने के लिए तांत्रिक क्रिया करने लोग बडवे भी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। जिस मे बाग से गोकुल पंवार, अशोक बोडाना, दिनेश वैष्णव, विशाल बाबा नामदेव, नन्दू भाई, नरेंद्र सिंह रावल ,संचिन सोनी सहित अनेक श्रद्धालुओं नर्मदा तट पहुंच स्नान पुजन दान किया।

बुधवार को कोटेश्वर घाट पर श्रद्धालु सुबह से ही जुट गए थे। शाम 6 बजे तक तक घाटों पर भीड़ रही। इसके बाद भीड़ कम होने लगी है। श्रद्धालुओं ने नर्मदा में स्नान कर पूजन किया। कई महिला-पुरुष सिर पर चुनरी और हाथों में तलवार, नींबू लेकर आए, जो नदी में खड़े होकर डुबकी लगाकर पूजन करते रहे। बाग के अलावा टांडा कुक्षी, डेहरी खझली जोबट अलीराजपुर राणापुर सहित आसपास के शहरों व ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु ने नर्मदा नदी में स्नान करने पहुंचे । भक्तों ने मां नर्मदा को भजनों का तर्पण किया। नर्मदा घाटों पर धर्म से जुड़े लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। इन्होंने पूजन अर्चन आरती प्रसादी वितरण कर अमावस्या पर्व का धर्म लाभ लिया।

धार वैश्य समाज की शोभायात्रा आज

- लक्की ड्रा में मिलेंगे हजारों के आकर्षक उपहार
- 25 हजार रूपए से अधिक के आकर्षक उपहार रहेंगे

धार। वैश्य समाज द्वारा परंपरा अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, हिंदू नववर्ष, गुड़ी पड़वा, विक्रम संवत् 2083 वैश्य दिवस के पावन अवसर पर आज 19 मार्च,गुरुवार को सायं 7.00 बजे माता लक्ष्मीजी की भव्य शोभायात्रा का आयोजन होगा। समग्र वैश्य समाज, धार द्वारा आयोजित शोभायात्रा में समग्र जैन समाज, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, विजयवर्गीय समाज, श्री गौ? महाजन समाज, खंडेलवाल समाज, नीमा समाज, लाड समाज, दशोरा महाजन समाज, श्री मेड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, सोनी स्वर्णकार समाज, जायसवाल समाज एवं समस्त वैश्य समाज के महिला, पुरुष, युवा बड़ी संख्या में शोभायात्रा में शामिल होंगे।साथ ही शोभायात्रा में लक्की ड्रा खोला जाएगा, जिसमे कुल पच्चीस हजार रु से अधिक के आकर्षक उपहार रहेंगे। शोभायात्रा में माता लक्ष्मी जी का रथ भी रहेगा। विभिन्न समाजों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत एवं लक्ष्मी जी का पूजन भी किया जाएगा।

शोभायात्रा के प्रभारी प्रवीण गुप्ता, कैलाश ला?, श्याम खंडेलवाल, सतीश चंद्र अग्रवाल, अभिषेक भंडारी, राजीव नीमा,अजय लुहाडिया ने बताया कि धानमंडी चौक से प्रारंभ होकर यह शोभायात्रा सेनापति मार्ग,बनिया वाडी, राय चौपाटी महात्मा गांधी मार्ग, आनंद चौपाटी,जवाहर मार्ग,नरसिंह चौपाटी, से पुन: धान मंडी चौक में समापन होगा। यह जानकारी वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश धार के मीडिया प्रभारी श्याम मंगल लेबड़ ने दी।

अलविदा माहे रमजान अलविदा, ईद की खुशियां छाने लगी

- पूरे माह की इबादत में मशगुल,रहा मुस्लिम समाज नमाज रोजे ओर इबादत में

बाग – एक माह चलने वाला बड़ा ही महत्वपूर्ण पर्व रमजान मुबारक अब दो तीन दीन में अलविदा हो रहे हैं इसी के साथ ईद की खुशियां भी देखने को मील रही है । पूरे माह के रोजे रखने और इबादतों में गुजरने दिन वाला यह पर्व एक अलग ही चमक लेकर आता है ।जिसके चलते हर किसी के मन में रोजे रखने और इबादत करने का जूनून पैदा होता है और कोई भी इस माह की इबादत और रोजे से मेंहरुम होना चाहता है चाहै वो जो भी परिस्थिती में हो अल्लाह की इबादत से उसकी दो लग ही जाती है । इस पुरे महिने पुरुष महिलाएं युवक युवतीयां एवं छोटे बच्चे सभी जहां तक हो रोजे रखने और इबादत करने का प्रयास कर जितने भी हो सके रोजे रखते हैं नमाजे पढ़ते हैं और इबादतों कर अपने गुनाहों की अपने रब से दुआएं मांगते हैं । मुस्लिम

समाज के हर आम और खास ने इस पुरे महिने की इबादत मैं मशगूल होकर अपने रब को राजी किया है रमजान की रोकने इस पुरे माह में अपने पुरे शबाब पर थी मस्जिदों में सुबह की नमाज से लेकर विशेष नमाज त्राहवी तक में नमाजियों से मस्जिदें चकाचौंध रही जेसे जेसे रमजान समापन की ओर आते हैं वैसे वैसे ईद की खुशियों में तब्दील होते हैं और बाजारों की रोकने भी बढ़ जाती है ।

शबे कद्र की रात होती है महत्वपूर्ण

रमजान मुबारक के इस पूरे महिने में कुल पांच रात जागने की होती है और सभी महत्वपूर्ण होती परंतु उसमें खासकर 25 वी रात जिसे शबे कद्र की रात कहते हैं । उस रात में हर कोई जागकर पुरी रात नमाजे पढ़ते हैं और जिससे जेसी बनती है इबादत कर अपने गुनाहो की अपन मुल्क में अमन चेन की दुआए करते हैं । इस रात के बाद से ही रमजान अलविदा की गुंज सुनाई देती है । ओर सभी ईद की खुशियों में लग जाते हे बाजारों में रोकने बढ़ जाती हे अपनी जरुरत की सामग्री खरीदने के लिए लोग बाजारों में आते हैं । ओर इस ईद की खुशी बच्चों में अलग ही झलकती है । वेसे ईद शुक्रवार या शनिवार को मन सकती मगर खुशियां शबे कद्र की रात के बाद से ही छाने लग जाती है ।

एक नजर में

प्रतिदिन लाई जा रही श्रंगारित फुल पाती

गणगौर पर्व के गीतों से क्षेत्र सहित नगर बाग में छाया उल्लास

बाग-- नगर सहित क्षेत्र में इस समय गणगौर पर्व का उत्साहभरा वातावरण बना हुआ है। पर्व के अन्तर्गत माता की बाड़ी में ज्वारे बोये गये है। तथा वहा पर प्रतिदिन भक्ती भाव का दौर चलने के साथ जल सिंचन एवं धुप ध्यान किया जा रहा है। गणगौर महापर्व को लेकर नगर में सिर्वी समाज, माहेश्वरी समाज, ब्राहमण समाज की बालिकाओ एवं महिलाओं ने फूल पाती चल समारोह निकाला। अखंड सौभाग्य व सुख समृद्धि के प्रतीक गणगौर पर्व की निमाड़चल के साथ क्षेत्र में धुमधाम से शुरुआत हो चुकी हैं।

महिलाओं बालिकाओं द्वारा लाई-जा रही प्रतिदिन श्रृंगारित पातियाँ गणगौर पर्व के दौरान नगर की माहेश्वरी महिला और वधू मंडल सर्व ब्राम्हण समाज की महिला मंडल द्वारा पाती की शोभायात्रा प्रति दिन

माता की बाड़ी पर हो रहे भजन कीर्तन

जो की विवाह परम्परा का एक हिस्सा होता हे और यह गणगौर पर्व भी शिव पार्वती के विवाह का ही प्रतीक पर्व है। महीलाये इसमे बढ़ चढ़ कर अपनी भागीदार निभाती है । अखण्ड सौभाग्य व सुख समृद्धि का प्रतिक- अखण्ड सौभाग्य व सुख समृद्धि का प्रतीक पर्व गणगौर राजा धनियार व रणुमा के गृहस्थ प्रेम एवं शिव पार्वती के पूजन आराधना से जुड़ा हुआ आस्था के अनेक रंगो का प्रतीक पर्व है। इस पर्व पर जहाँ विवाहीत महिलाये अपने पति की लम्बी उम्र व परिवार की सुख सम्द्धि की कामनाऐ करती है वही कन्याओ के योग्य वर की प्राप्ति के लिये गौरी माता की आराधना करती है। सम्पूर्ण आयोजन में सिर्वी समाज सकल पंच समिति व वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन मिलता रहता है।

निकाली जा रहा है। वही सिर्वी समाज संकल पंच के नेतृत्व में समाज की बालिकाओं व महिलाओं के द्वारा हताई चौक से प्रतिदिन फुल तथा पत्तियों से श्रृंगारित पातियाँ चल समारोह के साथ लाई जा रही है। बालिकाएँ अपनी सखी सहेलियो के साथ बाग बगीचे व विशेष स्थान से ढोल व तासे के साथ फुल व पात्तियों से सुसज्जीत हो कर सम्मिलित हो रही है।

वही महिलाए रात्रि के समय माता की बाड़ी व घरो में झालरिये गाकर धानी, पतासे व बेर की प्रसादी का वितरण करती जिसे तम्बोल कहा जाता है। 20 मार्च को अंतिम बड़ी पाती के दिन बालिकाओं के द्वारा दुल्हा-दुल्हन बनकर विशेष श्रृंगारित पातियाँ लाई जाएगी।

इस मनमोहक दृश्य को देखने नगर में भारी भीड़ उमड़ेगी। सिर्वी समाज की महिलाओं द्वारा मिट्टी कलश का पूजन कर उसमे दीप जलाकर अपने सिर पर धारण करते हुए चल समारोह के साथ घरों पर लै जाया जाएगा।